Semester-4, Paper-XIII Page 3

Topic- What is Synopsis or Research Proposal

Camlin Page Date 25/04/20

विशेषतः (विशेष तौर पर) शिक्षा-शास्त्र M.A in Education-Semester-4 अथवा शिक्षा-शास्त्र Ph.D उपाधि के अन्तर्गत शोधार्थियों के लिए अपने लघुशोध (Dissertation) या शोध (thesis) में निम्नलिखित steps होते हैं।

जिसकी उपयोगिता एवं किन अध्यायों में किन-किन चरणों का बिन्दुवार क्रियान्वयन एवं विश्लेषण के साथ सामान्यीकरण / व निष्कर्ष Findings के विषय में आगे जानकारी दी जायेगी। आइये इसके महत्व एवं उपयोगिता पर ध्यान दें।

Dr. Shyam Bihari Choudhary
Asst Prof (Deptt of Education)
MMHAPU
25/04/20

Note- इसे सर्व लास्ट अंतिम में

अनुसंधान प्रस्ताव या शोध संक्षिप्तिका प्रस्तुत करने के लिए महज केवल औपचारिकता ही इसकी आवश्यकता कदापि नहीं माना जा सकता अपितु बल्कि इससे वास्तव में कुछ उद्देश्यों की पूर्ति होती है जो निम्नलिखित है।

1) बेस्ट और काहन (206:37) "शोध प्रस्ताव/संक्षिप्तिका की तुलना उस ब्लू प्रिन्ट से की जा सकती है जिसे निविदायें (Bids) आमन्त्रित करने तथा भवन निर्माण प्रारम्भ करने से पहले नक्शानवीस/या भवन निर्माण इंजीनियर (Architect) के द्वारा तैयार किया जाता है"

2) ग्रेवेटर और फोर्जेनो (Gravetter & forzano 2003:420) - शोध प्रस्ताव/संक्षिप्तिका से निम्न प्रकार की सूचनायें पाया जाता है।

- क्या किया जाएगा (What will be done?)
- क्या प्राप्त किया जा सकता है (What may be found?)
- नियोजित अनुसन्धान अध्ययन उसी क्षेत्र के दूसरे ज्ञान से कैसे सम्बन्धित है (How the planned research study is related to other knowledge in the area.